पॉपलर तथा यूकेलिप्टस आधारित कृषि वानिकीः कृषकों की आर्थिक समृद्धि के नवीन आयाम

<u>प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन</u>

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद में दिनांक 19.01.2018 को डा0 अमित पाण्डेय, प्रमुख के निर्देशन में केन्द्र की पड़िला स्थित नर्सरी में एक दिवसीय प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इलाहाबाद के शंकरगढ़, सोरांव, बारा, कौंधियारा, फूलपुर आदि क्षेत्रों के कृषकों, इलाहाबाद कृषि विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के छात्र–छात्राएं , गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया। डा0 तोमर ने कृषि वानिकी में क्लोनल पॉपलर द्वारा कृषकों को होने वाली आर्थिक आय का विस्तृत विवरण दिया। उन्होने पॉपलर की पॉपलर की पौधशाला तैयार करना, कटिंग काटना, पौधशाला में समयबद्ध रोपण तथा क्षेत्र के पौधारोपण सम्बन्धी तकनीक को प्रस्तुत किया। पॉपलर के साधारण तथा क्लोनल पौधों के विकास तथा गुणवत्ता के अन्तर को भी डा0 तोमर ने बताया।

केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा क्लोनल यूकेलिप्टस की कृषि वानिकी में उपयोगिता का विस्तार पूर्वक विवरण दिया गया। कृषक उच्च गुणवत्ता के पौधों से कम समय में अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। क्लोनल पौधों की उपलब्धता, पौधशाला में रख–रखाव तथा कृषि वानिकी में रोपण सम्बन्धी तकनीकी जानकारियां डा0 श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को दी गयी। उन्होने क्षेत्र हेतु उपयुक्त यूकेलिप्टस क्लोनों की भी जानकारियां दी। डा0 श्रीवास्तव ने उपज के परिपक्व होने पर बिक्री के स्थान जैसे– आरा मशीन, पैकिंग बाक्स उद्योग तथा निकटवर्ती प्लाईवुड / वीनियर उद्योगों के सम्पर्क सूत्र सम्बन्धी जानकारियां भी दिया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में पौधशाला में लगाये गये पॉपलर तथा यूकेलिप्टस के प्रदर्शन क्षेत्रों का भी प्रतिभागियों को भ्रमण कराया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के क्लोनों का क्षेत्र विशेष में तुलनात्मक विवरण दिया गया। कुछ प्रतिभागियों ने क्लोनल पौधों से होने वाले लाभ को अन्य समूह प्रतिभागियों के साथ चर्चा किया गया। कृषि विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा क्लोनल पॉपलर के साथ केला की खेती पर किये गये प्रयोग का विवरण दिया गया। औषधीय पौधों के साथ भी इन वृक्षों के रोपण पर समूह चर्चा की गयी। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को पॉपलर की कटिंग तथा यूकेलिप्टस के क्लोनल पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश विज्ञान और तकनीकी परिषद, लखनऊ के वित्तीय सहयोग से किया गया।

हिन्दी दैनिक
कौशाम्बी टाइम्स
इलाहाबाद - शनिवार 20 जनवरी, 2018
इलाहाबाद
/ प्रतापगढ़ समाचार

पड़िला में कृषक गोष्ठी सम्पन्न

अतिरिक्त आय के लिए खेत के मेड़ों पर क्लोन यूके लिप्टस व पॉपलर के वृक्ष लगायें-डा०तोमर

कार्यालय संवाददाता

इलाहाबाद। उ०प्र० विज्ञान एवं तकनीकी परिषद लखनऊ के तत्वाधान में सामाजिक वनिकी एवं परि पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद की पड़िला स्थित नर्सरी में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वैज्ञानिक डा० अनीता तोमर ने किया। डा० अनीता तोमर ने बताया कि सन् २००० में उ०प्र० में वन का क्षेत्रफल लगभग ३२ प्रतिशत था तब उत्तराखण्ड शामिल था लेकिन जब उत्तराखण्ड अलग हुआ तब उ०प्र० का वन का क्षेत्रफल ३ प्रतिशत तक आ गया। सन् २०१६ सर्वेक्षण में उ०प्र० में वन का क्षेत्रफल ९ प्रतिशत तक बढ़ा है लेकिन यह संतोष प्रद नहीं है यह प्रतिशत सरकारी प्रयास से बढ़ा है। लेकिन इस प्रतिशत को बढ़ाना है जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहे। डा. तोमर ने क्लोन पॉपलर के वृक्ष को कृषक अपने खेत के मेड़ पर लगाने की सलाह दी जो कि ५ से ६ वर्ष में तैयार हो जाता है और प्लाइबुड उद्योग व माचिस की तीली बनाने में इसका उपयोग बहुतायत होता है क्लोन पॉपलर पेड़ से कागज उपयोग में इसकी माँग है यह सहफसली के रूप में लगाया जा सकता है इसके बीच में अदरक व हल्दी की खेती कर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है क्योंकि दिसम्बर तक ये फरवरी तक इसके पेड़ों में पत्ती नहीं होती है जिसके कारण सहफसली में इसका प्रभाव नहीं पड़ता है। इसी क्रम में केन्द्र की वैज्ञानिक डा. अनुभा ने क्लोन हाईब्रीड यूकेलिप्टस के पेड़ लगाये की सलाह दी। यह प्राकृतिक रूप से आस्ट्रेलिया में पायी जाती है। यह तेजी से बढ़ने वाली व सीधे तने व हल्के छत वाली प्रजाति है यूके लिप्टस की लकड़ी की इलाहाबाद के बाज़ार में भारी मांग है इसकी लकड़ी भवन निर्माण बनाने व खेत के चारों ओर बाड़ लगाने की काम आती है यह क्लोन यूके लिप्टस ३ से ६ वर्ष के बीच तैयार हो जाती है। इसकी लकड़ी प्लाइबुड उद्योग में भारी मांग है। कृषक भाई चारों ओर मेड़ पर ३मीटर की दूरी पर लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं और मौसम की मार से आर्थिक नुकसान को कम किया जा सकता है। इस गोष्ठी में शंकरगढ़, कौंधियारा, सोरांव, फूलपुर के कृषक उपस्थित थे। अन्त में कृषकों को क्लोन पॉपलर और लिप्टस पेड़ वितरत किये गये।

पॉपलर की पौधशाला तकनीक

कृषि वानिकी में क्लोनल यूकेलिप्टस की उपयोगिता का विवरण

पॉपलर की कटिंग तथा यूकेलिप्टस के क्लोनल पौधों का वितरण